A **((Printed Pages 3)**

Roll No. _____________

A-183

बी. ए. (तृतीयवर्षम्) परीक्षा, 2015

प्रायोगिक संस्कृतम्

तृतीय प्रश्न-पत्रम्

(गृह्यकर्म वास्तुशास्त्रश्च)

समय : तीन घण्टे **पूर्णाङ्क : 35**

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है तथा प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न कीजिए।

1. निम्नलिखित लघुत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजियेः

$1½ \times 10 = 15$

(क) नक्षत्र कितने होते हैं?

(ख) वारों की संख्या एवं उनका नामोल्लेख कीजिए?

(ग) उत्तरा फाल्गुनी क्या है?

(घ) ज्योतिष के अनुसार योग कितने हैं?

(ङ) 11 करणों में से कितने 'चरकरण' होते हैं?

(च) वास्तुपुरूष से आप क्या समझते हैं?

(छ) रक्त और हरे रंग की भूमि का सम्बन्ध किस-किस वर्ण से होता है?

(ज) नारद के मतानुसार भूमि का लक्षण लिखें?

(झ) दैत्यपृष्ठ भूमि का लक्षण बतायें?

(ञ) प्रशस्ता भूमि किसे कहते हैं?

प्रथम वर्ग

2. गृहप्रतिष्ठा विधि के अनुष्ठान क्रम को बताते हुए उसके महत्त्व का प्रतिपादन कीजिए। 5

3. पर्वों का जीवन में क्या महत्त्व है? संक्षेप में पर्वपूजन विधि का वर्णन कीजिए। 5

द्वितीय वर्ग

4. पञ्चाङ्ग देखने की विधि का प्रतिपादन कीजिए। 5

5. ज्योतिष के अनुसार भद्रा चक्र का प्रतिपादन अपने शब्दों में कीजिए। 5

तृतीय वर्ग

6. गृहारम्भ हेतु शुभयोगों का उल्लेख कीजिए। 5

7. पिण्डानयन प्रकार का वर्णन कीजिए। 5

चतुर्थ वर्ग

8. भूमि संशोधन प्रकार का विस्तार से उल्लेख कीजिए। 5

9. भूमिप्लवनादिफल को वर्णित कीजिए। 5